

S.N.D.T. Womens University

1, Nathibai Thackersey Road, Mumbai – 20

Faculty Name : Arts

Subject : Hindi

पीएच.डी. (हिंदी) प्रवेश परीक्षा

पाठ्यक्रम

(Ph.D. (Hindi) Entrance Test Syllabus)

	Topics and details	Marks Assigned				
ईकाई 1	<ul style="list-style-type: none"> ➤ आदि काल की प्रवृत्तियाँ ➤ भक्ति काल : उद्भव एवं विकास ➤ निर्गुण एवं सगुण भक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ ➤ दीतिविद्य, दीतिसिद्ध एवं दीतिमुक्त काव्य ➤ दीति कालीन काव्य में दर्खार की भूमिका और दीति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ➤ पुनर्जागरण काल की स्थितियाँ और विकास ➤ लायवाद, प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद ➤ रक्तदंत्रता आंदोलन और हिंदी साहित्य ➤ मोहनंग की स्थितियाँ और हिंदी साहित्य ➤ रक्तांश्योत्तर हिंदी कहानी और कविता का आंदोलनात्मक विकास ➤ आपातकाल का साहित्यिक प्रतिफल 	25				
ईकाई 2	<table border="0" style="width: 100%;"> <tr> <td style="width: 50%;">पद्य रचनाकार</td> <td style="width: 50%;">पद्य रचनाएँ</td> </tr> <tr> <td> <ul style="list-style-type: none"> ➤ कवीर ➤ सूरदास ➤ मीराबाई ➤ विहारी ➤ भारतेन्दु ➤ मैथिलीशारण गुप्त ➤ महादेवी वर्मा ➤ सुनिश्चानंदन पंत ➤ मुकितबोध ➤ नागार्जुन ➤ त्रिलोचन ➤ धूमिल ➤ दुष्प्रतकुमार </td> <td> <ul style="list-style-type: none"> ➤ पृथ्वीराज चत्तो ➤ रामचरितमानस ➤ राम की इकित्पूजा ➤ सद्योज रघुवि ➤ कामायनी ➤ मधुशाला ➤ अंधा युग ➤ उर्वशी </td> </tr> </table>	पद्य रचनाकार	पद्य रचनाएँ	<ul style="list-style-type: none"> ➤ कवीर ➤ सूरदास ➤ मीराबाई ➤ विहारी ➤ भारतेन्दु ➤ मैथिलीशारण गुप्त ➤ महादेवी वर्मा ➤ सुनिश्चानंदन पंत ➤ मुकितबोध ➤ नागार्जुन ➤ त्रिलोचन ➤ धूमिल ➤ दुष्प्रतकुमार 	<ul style="list-style-type: none"> ➤ पृथ्वीराज चत्तो ➤ रामचरितमानस ➤ राम की इकित्पूजा ➤ सद्योज रघुवि ➤ कामायनी ➤ मधुशाला ➤ अंधा युग ➤ उर्वशी 	25
पद्य रचनाकार	पद्य रचनाएँ					
<ul style="list-style-type: none"> ➤ कवीर ➤ सूरदास ➤ मीराबाई ➤ विहारी ➤ भारतेन्दु ➤ मैथिलीशारण गुप्त ➤ महादेवी वर्मा ➤ सुनिश्चानंदन पंत ➤ मुकितबोध ➤ नागार्जुन ➤ त्रिलोचन ➤ धूमिल ➤ दुष्प्रतकुमार 	<ul style="list-style-type: none"> ➤ पृथ्वीराज चत्तो ➤ रामचरितमानस ➤ राम की इकित्पूजा ➤ सद्योज रघुवि ➤ कामायनी ➤ मधुशाला ➤ अंधा युग ➤ उर्वशी 					

इकाई 3	<p>गद्य रचनाकार और उनकी रचनाएँ</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ चंद्रघट शर्मा 'गुलैरी' - उसने कहा था ➤ प्रेमचंद - गोदान , निर्मला , कफन , शतर्ज के खिलाड़ी ➤ जयशंकर प्रसाद - पुरस्कार , कंकाल , चंद्रगुप्त ➤ यमचंद छुक्ल - चिंतामणी ➤ अगवर्तीचरण वर्मा - चित्रतेन्धा ➤ वृद्धवनलग्न वर्मा - मृगलयनी , झाँसी की रानी ➤ यथापाल - दिव्या , दूठा सच ➤ जैनेंद्र - व्यागपत्र , सुनीता ➤ फणीश्वरनाथ रेणु - मैला आँचल , दीसरी कसम ➤ छजारीप्रसाद दिवेंदी - अशोक के फूल , बाणभट्ट की आदमकथा ➤ अमृतलाल नागर - नाच्छौ बहुत गोपाल ➤ अब्देय - दोखर : एक जीवनी ➤ चांगेय राघव - कब तक पुकारँ ➤ भीम साहनी - वरस , कबीरा खड़ा बाजार में ➤ मन्नू भंडारी - आपका बंटी ➤ कमलेश्वर - राज निरबंसिया , देवा की माँ , मांस का दरिया ➤ निर्मल वर्मा - अंतिम अरण्य ➤ मोहन राकेश - आषाढ़ का एक दिन ➤ डॉ. शंकर शोष - एक और द्रोणाचार्य ➤ सुरेन्द्र वर्मा - मुझे चाँद चाहिए , आठवाँ सर्ग ➤ कन्हैयालग्न निष्ठ्र 'प्रभाकर' - बाजे पायलियाँ के घुंघरु ➤ दरिशंकर परसाई - पगड़ियों का जमाना ➤ ओमप्रकाश गालनीकि - जूठन ➤ यमवृक्ष बेनीपुरी - माटी की मूरतें 	25
इकाई 4	<ul style="list-style-type: none"> ➤ भारतीय काव्यशास्त्र की प्राचीनिकता ➤ भारतीय काव्यशास्त्र के संप्रदायों का सामान्य परिचय - रस , ध्वनि , अलंकार , रीति , वक्तोविच और औचित्य ➤ रस निष्पत्ति और साधारणीकरण ➤ पाष्ठ्यात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख विचारक - प्लैटे , अरस्टू , लॉजाइनस्ट , टी. एस. इलियट , आई. एस. रिचर्ड्स , कॉर्चे ➤ रुचांदवावाद , मार्क्षवाद , अस्तित्ववाद , मनोविष्लेषणवाद , यथार्थवाद , संरचनावाद ➤ भाषा की परिभ्रामा और लक्षण ➤ भाषा का ज्ञान की विभिन्न शाखाओं के साथ संबंध ➤ भाषा और साहित्य का अःवसंबंध ➤ भाषा और लिपि का संबंध वथा देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं मानकीकरण ➤ भाषा परिवर्तन के कारण और दिशाएँ 	25